राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर,राज .

अभिभावक परिषद्

सत्र 2021_22

प्रतिवेदन

महाविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों , छात्राओं एवं उनके अभिभावकों के मध्य परस्पर विचारों के आदान _प्रदान को सुगमता प्रदान करने की दृष्टि से महाविद्यालय प्राचार्य डॉ शशि संचिहार के संरक्षण में अभिभावक परिषद सुचारू रूप में संचालित है। सत्र 2021-22 में परिषद प्रभारी डॉ. मंजु त्रिपाठी तथा सदस्यों डॉ. सोफिया हुसैन , डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. कहानी भानावत तथा डॉ. साक्षी चौहान के सहयोग से दिसम्बर माह में' 'संवाद-सेतु 1' तथा मार्च माह मे' 'संवाद - सेतु -2' कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संवाद -सेतु-1 कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों को डॉ. मंजु त्रिपाठी द्वारा महाविद्यालय की प्रमुख समितियों की गतिविधियों, राजीव

गाँधी ई-कंटेट बैंक, ज्ञानसुधा चैनल, चाणक्य अकादमी द्वारा प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी हेतु उपलब्ध करवायी जा रही निशुल्क कोचिंग, रोजगारपरक पाठ्यक्रम, रोजगार प्रशिक्षणों, NCC, रेंजरिंग व खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन से भविष्य में नौकरियों में मिलने वाले लाभों, IT Centre के उपयोग, स्मार्ट माइंस लैब, ओपन जिम , स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स , छात्रावास सहित अन्य उपलब्ध सुविधाओं से परिचित करवाया गया | अभिभावकों से महाविद्यालय के अनुशासन में सहयोग करने हेतु छात्राओं को गणवेश में भेजने, कक्षाओं में नियमित उपस्थित होने , किताबें पढ़ने की आदत डालने तथा पाठ्यपुस्तकें क्रय करने का आग्रह किया ।

इस अवसर पर अपने विचारों को अभिव्यक्त करते हुए अभिभावकों ने न केवल खुलकर महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता की सराहना की बल्कि अपने प्रश्नों , जिज्ञासाओं , विचारों तथा व्यक्तिगत कठिनाइयों को व्यक्त किया। श्री अनिल पालीवाल ने अंग्रेजी माध्यम में नोट्स व पुस्तकें उपलब्ध करवाने की बात कही। तथा पुत्री को बॉक्सिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा जाहिर की एक छात्रा के परिजन ने पुस्तकें खरीदने में असमर्थता जताई , जिसे प्राचार्य जी द्वारा मीरा एलुमनी तथा शिक्षकों से सहयोग करवाने का विश्वास दिलाया गया ।

माउंट आबू से पधारे श्रीमान देवल ने महाविद्यालय की फैकल्टीज की खुलकर सराहना की ही यह भी कहा कि इस आगे बढ़ने की दौड़ वाले युग में छात्राएं भारतीय संस्कारों को याद रखें व उसके दायरे में ही रह कर विकास करें। प्राचार्य जी ने कहा कि मीरा कन्या महाविद्यालय में मीरा विज्ञान एवं आध्यात्म क्लब है जो छात्राओं में आध्यात्मिक रूचियों, पुरा ज्ञान योग एवं आध्यात्म के साथ विज्ञान के समावेश की प्रेरणा देता है। श्री अनिल पालीवाल ने अंग्रेजी माध्यम में नोट्स व पुस्तकें उपलब्ध करवाने की बात की तथा बॉक्सिंग के क्षेत्र में अपनी पुत्री को आगे बढ़ाने की जिज्ञासा व्यक्त की एवं उसकी जानकारी चाही। प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए लाइब्रेरी कार्ड शीघ्र उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया। द्वितीय वर्ष विज्ञान की छात्रा अनिशा ने पुस्तकालय से पुस्तकें इश्यू करने की बात कही। प्राचार्य जी ने शीघ्र ही ऐसा करने के लिए आवश्स्त किया।छात्रा सुदेशना देवल ने महाविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ प्रवेश ले कर तथा यहाँ की एक्टिविटीज में भाग ले कर एन एस एस ज्वाइन करके उन्हें अन्तर्मुखी व्यक्तित्व से बहिर्मुखी होने का अवसर मिला। सुदेशना ने कहा कि सफलता हमेशा अच्छी विचारों से मिलती है और अच्छे विचार, टीचर्स के निकट रहकर उनके भार्गदर्शन में उत्पन्न होते हैं। द्वितीय वर्ष विज्ञान की छात्रा मनीषा सेन ने शिक्षकों के प्रेरक व सहयोगी रवैये की प्रशंसा करते हुए अपने आपको मीरा गर्ल्स कॉलेज में पढ़ने के लिए भाग्यवान माना। शैक्षणिक प्रभारी डॉ. नीलम सिंघल ने संवाद सेतु कार्यक्रम के सफल आयोजन की बधाई दी तथा छात्राओं एवं अभिभावकों के लिए अपने विचारों को महाविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने का स्वर्णिम मंच बताया। अध्यक्षीय पद से बोलते हुए प्राचार्य डॉ. शशि सांचीहर ने कहा कि महाविद्यालय अत्याधुनिक संसाधनों से केवल युक्त ही नहीं है बल्कि छात्राओं को वे अवसर यहां उपलब्ध करवाएं जाते है जो अन्य महाविद्यालयों में नहीं

मिलते। जैसे प्रशासनिक सेवाओं के लिए चाणक्य अकादमी द्वारा दी जा रही कोचिंग के लिए महारानी कॉलेज जयपुर तथा मीरा गर्ल्स कॉलेज उदयपुर इन दो जगहों को ही चुना गया है। ऐसे में छात्राओं का यह दायित्व है कि वे आगे आएं तथा इस महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का अपने भविष्य को निखारने में सदुपयोग करें।कार्यक्रम में प्रेस न्यूज तैयार करने का कार्य डॉ. कहानी भानावत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सोफिया हुसैन ने किया। जलपान के पश्चात् अभिभावकों को स्मार्ट सांइस लैब, पुस्तकालय, आई टी. सेन्टर व ओपन जिम भ्रमण करवाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. साक्षी चौहान ने किया।

शिक्षकों को अभिभावक मानकर अपनी बात खुलकर रखें छात्राएं

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय में अभिभावकों से संवाद कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य डॉ शशि सांचीहर ने कहा कि छात्राओं के लिए महाविद्यालय दूसरा घर है इसलिए छात्राओं को अपने शिक्षकों को भी अभिभावक मानकर अपनी बात खुलकर कहनी चाहिए। प्रारंभ में अभिभावक परिषद प्रभारी डॉ मंजू त्रिपाठी ने महाविद्यालय की महत्वपूर्ण समितियों की जानकारी दी। महाविद्यालय की शैक्षणिक प्रभारी डॉ. नीलम सिंघल ने बताया कि संवाद में अभिभावकों ने निर्धन छात्राओं को महाविद्यालय से पुस्तकें एवं आर्थिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने सुझाव दिया। इस पर प्राचार्य ने कहा कि छात्राएं व्यक्तिगत रूप से अपने शिक्षकों से या प्राचार्य से इस विषय में संपर्क कर सकती हैं। संचालन डॉ साक्षी चौहान ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर सोफिया हुसैन ने किया। डॉक्टर कहानी भाणावत ने अभिभावकों को महाविद्यालय की स्मार्ट साइंस लैब, आईटी सेंटर , पुस्तकालय, ओपन जिम आदि का भ्रमण कराया।

Dainik Navjyoti , 05/12/2021

दिनांक 2.03.2022 को अभिभावक परिषद द्वारा नैक निरीक्षण को दृष्टिगत रख कर छात्राओं के अभिभावकों के साथ विचार विमर्श का कार्यक्रम संवाद सेतु- 2' का आयोजन किया गया। प्रारंभ में परिषद प्रभारी डॉ. मंजु त्रिपाठी ने महाविद्यालय की विशिष्टताओं, उपलब्धियों, छात्राओं के व्यकित्व को सम्पूर्णता प्रदान करने वाली विभिन्न गतिविधियों तथा उनके लिए लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने महाविद्यालय के संचालन में सरकारी अनुदान तथा यू.जी.सी प्रदत्त आर्थिक सहयोग के विषय में बताते हुए नैक द्वारा महाविद्यालय के निरीक्षण एवं दी जाने वाली ग्रेडिंग से होने वाले लाभों के विषय में अवगत कराया। उन्होंने महाविद्यालय में यूजी व पीजी स्तर पर उपलब्ध विषयों के अध्यापन, अध्यापकों के प्रोत्साहन तथा सहयोग, पत्र पत्रिकाओं एवं पुस्तकों से समृद्ध पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, कम्प्यूटर अनुप्रयोग की सुविधा, बौद्धिकता में वृद्धि करने वाली संगोष्ठियों, रोजगार एवं कौशल विकास सम्बन्धी कार्यशालाओं, विविध समितियों एवं उनके द्वारा किए जाने आयोजनों से परिचित करवाते हुए अभिभावकों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया और यह विश्वास व्यक्त किया कि संस्था के बेहतर विकास के लिए अभिभावकों की राय अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अभिभावक श्री पन्नालाल पटेल ने कहा कि छात्राओं की कैरियर काउंसलिंग की जाए, रोजगार परक कार्यक्रम करवाएं जाएं एवं उनकी सूचना छात्राओं तक पहुंचायी जाए। उक्त जिज्ञासा का प्राचार्य डॉ. शशि सांचीहर ने सामधान करते हुए अभिभावकों से कहा कि महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल है जो निरंतर नयी सूचनाएं उपलब्ध करवाने, रोजगार व प्लेसमेंट संबंध मंच के रूप में कार्य कर रही है परंतु छात्राएं नोटिस बोर्ड व यहां कि व्हाट्सअप ग्रुप्स पर भेजी गयी सूचनाओं को भी ध्यान से नहीं देखती है।

श्री भोजराज यादव ने एम.एस.सी में अंग्रेजी के साथ हिन्दी माध्यम से पढ़ाए जाने के विषय में कहा, जिसका उत्तर देते हुए प्राचार्य जी ने कहा कि महाविद्यालय में दोनों ही माध्यमों पर समान रूप से ध्यान दिया जाता है।

श्रीमती कुसुम भटनागर ने महाविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि उनकी अन्तमुखी पुत्री को शिक्षकों का पूरा सहयोग व प्रोत्साहन प्राप्त होता है। जिसके कारण वह पढ़ाई में अव्वल होने के साथ चैस में नेशनल प्लेयर बनपाई।

प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय में शिक्षक मेंटरिंग करते हैं, छात्रा अपने मॅटर से

व्यक्तिगत रूप से मिल सकती है। श्रीमती रानी सेन ने पुस्तकालय सम्बन्धित समस्या सामने रखी, जिसका समाधान करने

हेतु प्राचार्य जी ने छात्राओं को आई कार्ड उपलब्ध करवाने का विश्वास दिलाया।

निकीता सेन ने कहा कि छात्राएं दूर-दराज क्षेत्रों से अप-डाउन करती है अतः कंटीन

का संचालन पुनः प्रारम्भ किया जाए, प्राचार्य जी ने कहा कि यह कार्य प्रक्रियाधीन है।

मनीषा सेन ने महाविद्यालय शिक्षकों व राष्ट्रीय सेवा योजना टीम द्वारा करवाए जा रहे कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की छात्रा दर्शना ने कहा कि नियमित कक्षाओं के साथ-साथ ऑनलाइन मोड पर वीडियो भी उपलब्ध करवाए जाएं।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्राचार्य डॉ. शशि सांचीहर ने अभिभावकों से कहा कि वे अपनी पुत्रियों को यूनिफार्म पहनने तथा मोबाइल का उपयोग कम करने के लिए प्रोत्साहित करें। उनसे प्रतिदिन के नोटिसेज की जानकारी लें व अन्य गतिविधियों में भागीदारी करने के लिए. प्रेरित करें।

शैक्षणिक प्रभारी डॉ. नीलम सिंघल ने कहा कि छात्राएं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में स्वयं

रुचि लेंगी तभी वे अपना भली-भांति विकास कर पायेगी।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सोफिया हुसैन ने किया एवं संचालन डॉ. साक्षी चौहान ने किया। इस अवसर पर अभिभावकों से फीडबैक फॉर्म भरवाए गए जिनमें उन्होने महाविद्यालय में नियमित अध्यापन, शिक्षकों से सहयोग पूर्ण रवैये सुरक्षित तथा भेदभाव रहित वातावरण के प्रति पूर्ण विश्वास व्यक्त किया।

अभिभावक परिषद्

GPS Map Camera

Rajasthan Patrika, 3/3/2022

कॅरियर संबंधी सूचनाओं को लेकर चर्चा

उदयपुर. राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय में अभिभावक परिषद की बैठक संपन्न हुई, इसमें प्राचार्य डॉ. शशि सांचीहर ने अभिभावकों से संवाद स्थापित करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में छात्राओं के हित से जुड़े हुए रोजगारोन्मुखी एवम् कौशल विकास संबंधित अनेक कार्यक्रम प्रतिदिन करवाए जाते हैं। अभिभावक पन्नालाल पटेल ने करियर संबंधी सूचनाओं को उपलब्ध करवाए जाने के विषय में चर्चा की, भोजराज ने विज्ञान विषय को हिंदी में पढ़ाए जाने की सिफारिश की । कुसुम भटनागर ने अपनी राष्ट्रीय चेस प्लेयर पुत्री को आगे बढ़ाने मे महाविद्यालय की सराहना की। कुछ अभिभावकों ने महाविद्यालय कैंटीन के पुनः संचालन की इच्छा जताई।